K–912

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

MASL-101

M.A. (Sanskrit) Ist Year Examination Dec., 2023

वेद एवं निरूक्त

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नाकिंत में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये :

(क) अभिगोत्राणि सहसा गाहमानेऽदयो वीरः शतमन्युरिन्द्र।

दुश्चयवनः पृतनाषाडयुध्योऽस्माकँ् सेना अवतु प्र युत्सु॥

(ख) नासदासीन्नो सदासीत्तदानीं नासीद्रजो नो व्योमा परो यत्।

किमावरीवः कुह कस्य शर्मन्नम्भः किमासीदहनं गभीरम्॥

(ग) सहृदयं सामनस्यमविद्वेषं कृणोमि वः।

अन्योअन्यमभि हर्यत वत्संजातमिवाघ्न्याः॥

(घ) न मृत्युरासीदमृतं न तर्हि न रात्र्या अह्न आसीत्प्रकेतः।

आनीदवातं स्वधया तदेकं तस्माद्धान्यन्नपरः किं च नास॥

2. निरुक्त का महत्व प्रतिपादित करते हुए, शब्द नित्यत्व एवं भाव विकारों का विवेचन कीजिए।

3. कठोपनिषद् के दार्शनिक महत्व की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये।

4. उपनिषदों का सामान्य परिचय देते हुए, भारतीय दर्शन में उपनिषदों के योगदान पर चर्चा कीजिये।

5. वेदांगों का परिचय देते हुए, वेदांगों में व्याकरण के महत्व का प्रतिपादन कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निरुक्त में वर्णित षडभाव विकारों की व्याख्या कीजिये।

2. निरुक्त में वर्णित नाम एवं आख्यात की समीक्षा कीजिये।

3. वेदांगों की संख्या बताते हुए, उनके वर्ण्यविषय की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये।

4. पाणिनीय शिक्षा के अनुसार उच्चारण विधि की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये।

5. कठोपनिषद के किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिये।

6. ईशावास्योपनिषद् के किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिये।

7. उषा सूक्त की विषयवस्तु बताते हुए, उसके महत्व को लिखिए।

8. नासदीयसूक्त के दार्शनिक महत्व को संक्षिप्त में लिखिए।

****